दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 2)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–**GS12**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Alok Prasad **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** 7100

Center & Date: M.K. Ngr / 17 July **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 5907765

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें तेरह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **THIRTEEN** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		7 (a)	
1 (b)		7 (b)	
2 (a)		7 (c)	
2 (b)		8	
3 (a)		9	
3 (b)		10	
4 (a)		11	
4 (b)		12	
5		13	
6			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

खंड - क / SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नही लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) "लोक सेवा कल्याणकारी राज्य का मूल उद्देश्य है।" इस कथन के संदर्भ में उन 'लोक सेवा मूल्यों' का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिये, जिनकी सभी लोक सेवकों को आकांक्षा करनी चाहिये। (150 शब्द) 10

"Public service is the basic objective of the welfare state". In the context of this statement, enumerate 'Public Service Values' towards which all public servants should aspire. (150 words) 10

कल्याणकारी राज्य में सरकार देश के नागरिकों की जरूरतों को उपलब्ध कराने में अहम भूमिका रखती है। इसी संदर्भ में लोकसेवा की अवधारणा आती है।

यहाँ लोक सेवा से आशय सरकार के उस कार्यकारी अंग से है जोकि जनता और सरकार के बीच की दूरी को कम करते हुए जनता की आकांक्षाओं को परिपूर्ण करता है।

यूँ तो लोक सेवा मूल्यों की लिस्ट लंबी है, फिर भी निम्नलिखित लोक सेवा मूल्यों को प्रधानता दी जानी चाहिए

(1) सत्यनिष्ठा : लोकसेवक को अपने सभी नैतिक सिद्धांतो में सुसंगति बनानी चाहिए। तथा उन्हें व्यवहार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

में यथारूप लाना चाहिए। यह लोकसेवा में भ्रष्टाचार खत्म करने तथा नैतिकता को बढ़ाने में अहम होगा

(2) वस्तुनिष्ठता - सिविल सेवक को अपने विचारों, पूर्वाग्रहों, मूल्यों से तटस्थ रहते हुए किसी चीज पर निर्णय करना चाहिए

(3) करुणा - भारत जैसे विकासशील में लोक सेवक का करुणामय होना ~~अति~~ अत्यधिक आवश्यक है। करुणा वंचित वर्गों के विकास में अहम योगदान देगी।

(4) धर्म निरपेक्षता - ताकि भारत जैसे बहुधर्मी देश में लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु

(5) दृढ़ता : दूरगामी लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु लोक सेवक को आशावान रहना

(6) जन सेवा के प्रति समर्पण भाव

उपरोक्त मूल्यों की आकांक्षा कर लोकसेवक कल्याणकारी राज्य की आवश्यकताओं को पूर्ण कर सकते है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये।
(Candidate must ... write on this mar...)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) शासन में शुचिता को सुनिश्चित करने हेतु 'आपराधिक न्याय प्रणाली' को सुदृढ़ता प्रदान करना सबसे आवश्यक है। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Strengthening of the 'Criminal Justice System' is one of the most important requisites for ensuring probity in governance. Analyse. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शुचिता से आशय उन नैतिक सिद्धांतों के अनुपालन से है जो कि प्रशासन में मूल भूत महत्व रखते हो

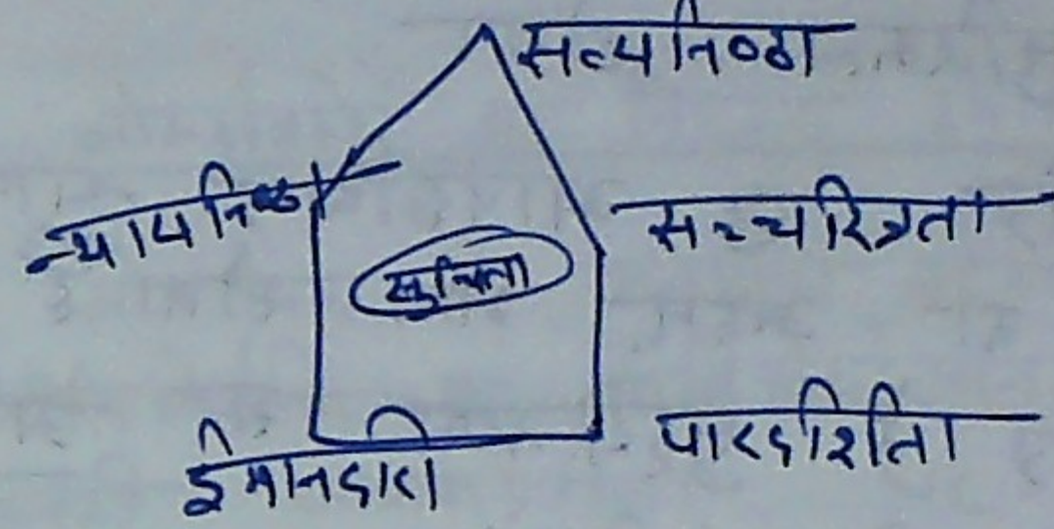

शुचिता की आवश्यकता → सुशासन हेतु

- जन विश्वास बहाने में
- अंतर्राष्ट्रीय छवि
- भ्रष्टाचार खत्म करने में

आपराधिक न्याय प्रणाली से आशय अपराध की छानबीन से लेकर पुलिस तंत्र तथा न्यायिक तंत्र को समावेश करती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शुचिता हेतु आपराधिक न्याय प्रणाली की सुदृढ़ता आवश्यक कैसे

① आपराधिक न्याय प्रणाली सुदृढ़ होने से सबूतों से छेड़छाड़ करना या जाँच प्रक्रिया, अभियोजन को प्रभावित करना मुश्किल होगा

② पुलिस तंत्र आपराधिक न्याय प्रणाली का अहम भाग होता है। फलतः पुलिस तंत्र के सुदृढ़ीकरण से अभियोजन में आसानी होगी।

③ न्यायिक तंत्र का सशक्तिकरण से न्यायिक निर्णयों में होने वाली देरी खत्म होगी फलतः अपराधियों में डर बढ़ेगा

ध्यातव्य है कि शुचिता के सुदृढ़ीकरण हेतु मलिमथ समिति 2nd ARC समिति ने अपराधिक जस्टिस प्रणाली को मजबूती करने की बात कही है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. (a) जब लोक प्रशासकों पर नियंत्रण कमज़ोर होता है तथा राजनीतिक कार्यकारिणी एवं नौकरशाही के मध्य शक्ति का वितरण अस्पष्ट होता है तो भ्रष्टाचार की गुंजाइश बढ़ जाती है। सिद्ध कीजिये। (150 शब्द) 10

The scope for corruption increases when control on the public administrators is fragile and the division of power between political executive and bureaucracy is ambiguous. Justify. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भ्रष्टाचार अर्थात् भ्रष्ट आचरण के माध्यम से मौद्रिक लाभ उठाना।

लोकसेवकों पर नियंत्रण कमजोर

↓

लोकसेवक की मनमानी बढ़ेगी तथा नीतिनिर्माण व नीतिक्रियान्वयन में उनकी जवाबदेहिता घट जाती है।

↓

राजनीतिक कार्यपालिका (मंत्री) को वह अपने अनुरूप निर्देशित कर गलत सलाह व काबून का निर्माण करवाना

↓

भ्रष्टाचार।

वहीं दूसरी तरफ राजनीति व नौकरशाही में शक्ति के अस्पष्ट वितरण से भी भ्रष्टाचार बढ़ेगा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

राजनीतिक कार्यप्रणाली और नौकरशाही के मध्य शक्ति का असमान वितरण

- विवाद की स्थिति उत्पन्न होगी
- दोनों के मध्य गठजोड़ बनने की संभावना (क्लेप्टोक्रेसी
- अनुकूल परिणाम न आने की स्थिति में दोनों पक्ष एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करके स्वयं को बचाने का प्रयास करेंगे।

9. स्पष्ट शक्ति विभाजन न होने के कारण जवाबदेहिता, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व घटेगा।

अतः स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार बढ़ने का अहम कारण राजनीति और प्रशासन में शक्ति वितरण में अस्पष्टता है। यही कारण है कि मोन्टेस्क्यू द्वारा शक्ति के पृथक्करण का सिद्धांत दिया गया। जिसमें कार्यपालिका, न्यायपालिका, विधायिका तीनों का स्पष्ट शक्ति क्षेत्र होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये।
(Candidate must ... write on this ma...

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "हर साधन से अपनी संपत्ति अर्जित करो, परंतु यह समझो कि तुम्हारे द्वारा अर्जित धन तुम्हारा नहीं, समाज का है।" महात्मा गांधी के इस कथन का भारत में कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

"Earn your wealth by all means. But understand your wealth is not yours; it belongs to society." Analyse this statement of Mahatma Gandhi with reference to present state of corporate governance in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था के अंतर्गत कारपोरेट के सभी अंगों, प्रक्रियाओं, नीतियों, शेयरधारकों, प्रमोटरों, तथा आम समाज का शामिल किया जाता है। तथा हर स्तर पर पारदर्शिता की आवश्यकता होती है।

गांधी द्वारा न्यासिता के सिद्धांत में उक्त बात कही गयी। इसकी वर्तमान में प्रासंगिकता इस प्रकार है।

① कम्पनी द्वारा अर्जित लाभ में समाज की अहम भूमिका होती है

- समाज → उपभोक्ता → उत्पाद की कीमत। ↓ कम्पनी की आय
- कर्मचारी - समाज की पूंजी
- सड़क, या अन्य अवसंरचना का प्रयोग कारपोरेट करता है
  - जोकि मुख्यत टैक्स पेयर के धन से निर्मित है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

यही कारण है कि गांधी जी भौतिक के बजाय समाज का पक्ष लेते है।

इसी अवधारणा को ध्यान में रखते हुए भारत में CSR - कारपोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी' को अपनाया गया।

वर्तमान में कारपोरेट की ~~विश्व~~ ~~व्यापक~~ बहु राष्ट्रीय प्रकृति, बड़ी-बड़ी कम्पनियों की आय का छोटे देशों की GDP से भी अधिक होना, यह दर्शाता है कि गांधी जी के दर्शन को अपनाने की अधिक आवश्यकता है यह परिणाम सापेक्षवादी, या उपयोगितावादी दर्शन को भी पुष्ट करता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. (a) सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम एक पथ प्रदर्शक विधान है, जो गोपनीयता के अंधकार से पारदर्शिता के युग में प्रवेश का संकेत देता है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The Right to Information (RTI) Act is a path-breaking legislation which signals the march from darkness of secrecy to the dawn of transparency. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

RTI का उद्भव RTI अधिनियम जन के माध्यम से हुआ। ध्यातव्य है कि इसके उद्भव में सिविल सोसाइटी की अहम भूमिका रही।

ध्यातव्य है कि सूचना के अधिकार से पूर्व गोपनीयता की संस्कृति व्यापक रूप से व्याप्त थी। फलतः RTI के आने के बाद पारदर्शिता के युग में प्रवेश मिला

उदाहरण स्वरूप

① भ्रष्टाचार के मामले खुले (जैसे - 2G स्पेक्ट्रम, आदर्श सोसाइटी घोटाला

② जन सशक्तिकरण बढ़ा → जनविश्वास में वृद्धि प्रश्न पूछने की संस्कृति का विकास

③ प्रशासन के स्तर पर → पारदर्शिता की संस्कृति / जवाबदेहिता की संस्कृति बढ़ी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(4) जनता और सरकार के मध्य दूरी घटी
हालांकि RTI पथ प्रदर्शक विधान है
किन्तु अभी भी कुछ चुनौतियाँ
विद्यमान

(1) ब्यूरोक्रेसी का यथास्थितिवादी दृष्टिकोण
(2) धारा 8 का अवैध प्रयोग
(3) ऑफिशियल सीक्रेसी एक्ट से द्वंद्व
(4) कुशल PIO का अभाव
(5) समय पर सूचना न देना
(6) यथोचित सूचना न देना
(7) समाज - उतना जागरूक नहीं

आगे की राह

(1) स्वतः प्रकटीकरण को बढ़ावा देना होगा
(2) PIO को प्रशिक्षित करना
(3) धारा 8, ऑफिशियल सीक्रेसी एक्ट से द्वंद्व समाप्त करना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) प्रशासनिक व्यवहार समाज की सामान्य संस्कृति की एक उप-संस्कृति है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The administrative culture is a sub-culture of the common culture of the society. Critically examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्तमान में भारतीय प्रशासनिक क्षेत्र में व्याप्त अपारदर्शिता, लाल फीताशाही इत्यादि के संदर्भ में यह सवाल उठता है कि आखिर प्रशासनिक व्यवहार का कारण क्या है

प्रशासनिक व्यवहार सामान्य संस्कृति की उप संस्कृति

पक्ष में तर्क

① ~~आम~~ ~~लोग~~ समाज के लोग ही निर्णायक ~~रूप~~ भूमिका निभाते हैं

उदाहरण

① भ्रष्टाचार → भ्रष्टाचार का प्रमुख कारण लोगों द्वारा अधिकारियों को पैसे ऑफर करना

② समाज चाहे तो सकारात्मक बदलाव भी आ सकते हैं

उदाहरण ① RTI लागू आने की प्रमुख वजह - समाज

② लोकपाल अधिनियम लाने में अन्ना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विपक्ष में तर्क

(1) औपनिवेशिक संस्कृति का विद्यमान होना वस्तुत हमारी ब्युरोक्रेसी का मूल ढांचा लगभग अभी भी औपनिवेशिक काल का

उदाहरण – लोक सेवक के द्वारा स्वयं को राजा समझना
– वंचित वर्गों के प्रति करुणा का अभाव

(2) विधायिका द्वारा कानून का निर्माण ही ऐसा हो जिसका पालन करने में अधिक कठिनाई हो फलतः समाज बीच का रास्ता निकालकर घूस देना बेहतर समझता है

उदाहरण – सड़क ट्रैफिक पर बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाने पर

निष्कर्ष: प्रशासनिक व्यवहार का निर्धारण दोनो ही पक्ष करते है किन्तु ~~अभी भी~~ जरूरत यह है कि प्रशासन समाज के लिए परिवर्तनकारी भूमिका लाये नाकि समाज

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. (a) निगमित (कॉर्पोरेट) सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं है बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Corporate Social Responsibility (CSR) is not just a social responsibility but a moral obligation too. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

CSR कंपनी अधिनियम 2013 के द्वारा कंपनियों को अपने शुद्धलाभ का 2% धन को कुछ चुनिंदा सामाजिक कार्यों को करने में हेतु बाध्य करना।

CSR सामाजिक दायित्व कैसे

- कारपोरेट के उत्थान में समाज की अहम भूमिका
- टैक्सदाता के धन से निर्मित अवसंरचना का प्रयोग कंपनी द्वारा
- कारपोरेट चलाने में प्रशिक्षित कार्यबल समाज का
- कम्पनी के उत्पादों का खरीददार समाज

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mu
write on this m

नैतिक दायित्व

① कारपोरेट द्वारा बड़ी मात्रा में पर्यावरण को हानि पहुंचायी जाती है। फलतः उसका नैतिक कर्तव्य कि उसे वह प्रतिसंतुलित करें।

② कारपोरेट शेयर बाजार के माध्यम से धन जुटाता है। ध्यातव्य है कि शेयर बाजार में धन समाज द्वारा ही लगाया जाता है। अतः कंपनी की वृद्धि में आम लोगों के धन का निवेश।

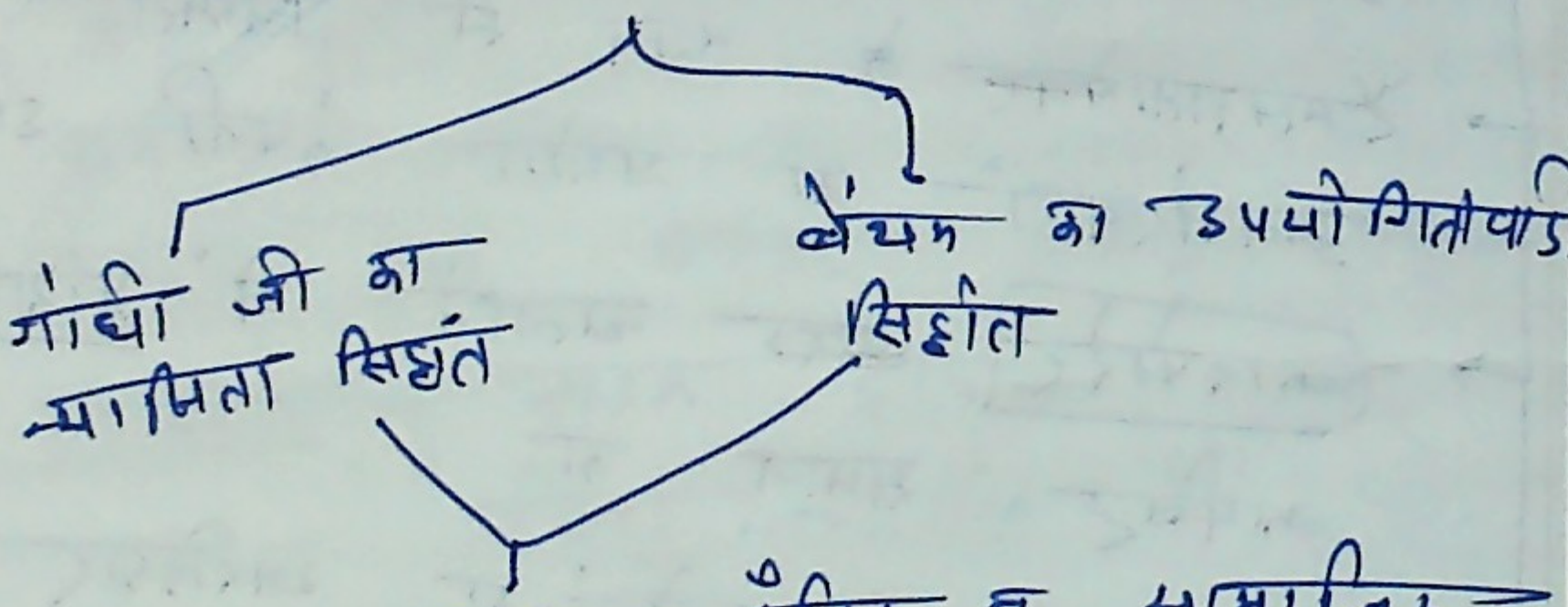

गांधी जी का न्यासिता सिद्धांत — बेंथम का उपयोगितावादी सिद्धांत

CSR = नैतिक व सामाजिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) लोक सेवा वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार की जाँच तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिये ई-शासन महत्त्वपूर्ण है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

e- Governance is vital for checking corruption and enhancing transparency in the public service delivery system. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Physical x CCTV

ई-शासन से आशय सूचना प्रौद्योगिकी ~~माध्यम~~ तकनीक का प्रयोग शासन में बढ़ाना है।

ध्यातव्य है कि लोक सेवा वितरण प्रणाली भ्रष्टाचार के प्रति अत्यधिक सुभेद्य होती है उदाहरण हेतु PDS द्वारा वितरित अनाज में (46%) लीकेज हो जाता है। अतः लोक सेवा वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार रोकने में e-gov, RTI, सिटिजन चार्टर ~~आदि~~ आडिटिंग (सोशल) आदि महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं

ई-शासन से लोक सेवा वितरण प्रणाली को लाभ

(1) ई-शासन के आने से जनता सशक्त होती है और यह ज्ञात हो जाता है कि उक्त सेवा मिल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

प्रकार से कितने मूल्य में और कितने समय में मिलेगी फलतः भ्रष्टाचार की संभावना खत्म होती है और पारदर्शिता बढ़ती है

(2) भ्रष्टाचार का अहम कारण जनता और प्रशासन के बीच प्रत्यक्ष संपर्क का होना है। ई-शासन इस प्रत्यक्ष संपर्क को खत्म कर ऑनलाइन संपर्क स्थापित करता है।

उदाहरण हेतु - PDS दुकानों में GPS का प्रयोग करने से हल्लिगाह में लीकेज शून्य स्तर पर पहुंचा

(2) मनरेगा में Geo tagging के माध्यम से भ्रष्टाचार की संभावना कम हुई।

इसी प्रकार के अनेक उदाहरण है जोकि e-gov लाकर भ्रष्टाचार रोकने में सफल हुए हैं 2nd ARC भी e-gov को भ्रष्टाचार रोकने हेतु आवश्यक मानती है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. 'अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में मूल मुद्दा यह है कि किसी एक के हितों के साथ दूसरे के मूल्यों का मिलान कैसे किया जाए।' विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

A basic issue in international relations is how to reconcile one's interests with values one professes. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में अक्सर एक देश के राष्ट्रीय हित दूसरे देश के राष्ट्रीय हित से टकराते है किंतु नैतिकता के दृष्टिकोण से कुछ संदर्भ ऐसे होते है जिसमें सभी देशों को मिलकर उनका समाधान करना होता है। उदाहरण स्वरूप

① पर्यावरण मुद्दा
- यूं तो पर्यावरण / जलवायु परिवर्तन का मुद्दा सभी देशों हेतु नुकसानदायक किन्तु विकसित देशों पर CBDR के तहत अधिक जिम्मेदारी डालते है। (USA - पेरिस डील से बाहर)

② व्यापार युद्ध
- वर्तमान में USA द्वारा अपने राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर टैरिफ बढ़ाना
- वहीं पूर्व में WTO के माध्यम से विकसित देशों के उदारीकरण का लाभ लिया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं f
चाहिये।
(Candidate mus
write on this ma

यहाँ यह समझने की जरूरत कि समन्वय में ही सबके को लाभ होगा

③ मानवाधिकार / शरणार्थी मुद्दा

- शरणार्थीयों को लेकर प्रत्येक देश अपने राष्ट्रीय हितों के कारण उन्हें स्वीकार करने से मना कर रहा
- समाधान नीतिशास्त्र के दृष्टिकोण से यही है कि इसका समाधान मिलजुलकर निकाला जाए

④ निशस्त्रीकरण

- उ. कोरिया, ईरान का परमाणु शक्ति सम्पन्न बनने का प्रयास अपने राष्ट्रीय हितों के अनुकूल
- किन्तु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अशांति के कारण सबके लिए प्रतिकूल

अतः स्पष्ट है अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में हितों का मिलान आपसी सामंजस्य से ही संभव है। वस्तुतः यहाँ बेंथम का उपयोगितावादी सिद्धांत महत्वपूर्ण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. लोक सेवा के संदर्भ में निम्नलिखित पदों की प्रासंगिकता का उदाहरण सहित परीक्षण कीजिये: (150 शब्द) 10

Examine the relevance of the following in the context of civil service by citing relevant examples: (150 words) 10

(a) लक्ष्य के प्रति सत्यनिष्ठा

Honesty of purpose

लक्ष्य के प्रति सत्यनिष्ठा के माध्यम से ही भारत जैसे कल्याणकारी देशों में वंचित वर्गों की आकांक्षाओं को पूर्ण किया जा सकता है।

उदाहरण

- स्वच्छ भारत अभियान के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का समाधान लोक सेवक ऐसी सोच के साथ कर सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) जवाबदेहिता

Accountability

जवाबदेहिता का तात्पर्य लोक सेवक को अपने द्वारा कृत कार्यों के प्रति व्याख्या हेतु जिम्मेदार होना

जवाबदेहिता ही प्रशासन को निरकुंशता खत्म कर जनता के प्रति उत्तरदायी बनाती है

* तानाशाही खत्म होती है।
* पारदर्शिता बढ़ती है
* वंचित वर्गों का कल्याण संभव है

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं चाहिये। (Candidate m... write on this m...

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(c) विधि का शासन

Rule of law

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विधि के अनुरूप शासन ही विधि का शासन है

प्रासंगिकता

(1) कानून के समक्ष सभी समान फलत: वंचित वर्ग का शोषण रुकता है

(2) संविधान की सर्वोच्चता स्थापित होती है

(3) लोक सेवक की विधि के अनुरूप जवाबदेही निश्चित होती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

(d) हित-संघर्ष

Conflict of interest

भिन्न-भिन्न हितों में संघर्ष की स्थिति

प्रासंगिकता

① स्वहित बनाम जनकल्याण

↳ भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे पर प्रशासक के अंतर्मन में उत्पन्न होने वाला हित संघर्ष

②

उम्मीदवार क
हाशिये में न
चाहिये।
(Candidate
write on this

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(e) प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत

Principles of natural justice

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

(1) प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के तहत सभी को सुनवाई का अवसर मिलता है फलतः वंचित की सशक्त होता है

(2) न्याय निर्णयन तथ्यों के आधार पर फलतः प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

7. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिये क्या अर्थ है?

What do each of the following quotations mean to you in the present context?

(a) "न्याय-परायणता शांति तथा सुशासन की आधारशिला है।" -कन्फ्यूशियस (150 शब्द) 10

"Righteousness is the foundation stone of peace and good governance." – Confucius (150 words) 10

न्याय परायणता (अर्थात् सही का साथ) हमेशा शांति तथा सुशासन की आधारशिला रखेगा।

ध्यातव्य है कि सुशासन हेतु ~~आवश्यक~~, विधि का शासन, राजनैतिक सहभागिता, प्रशासनिक जवाबदेहिता, समतामूलक समाज, अनिकपाक्षिता, प्रशासनिक पारदर्शिता, कार्यकुशलता आदि तत्व आवश्यक है।

उदाहरण हेतु

① RTI या e-gov का आना एक प्रकार का न्याय परायणता ही है जोकि सुशासन का आधार है।

② वंचित वर्गों को सशक्त करना भी शांति और सुशासन का आधार है

उम्मीदवार क
हाशिये में न
चाहिये।
(Candidate
write on thi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

③ कभी-कभी संघर्ष की स्थिति समाप्त करने हेतु समझौता करना पड़ता है अगर समझौता न्यायपरायणता पर आधारित होगा तो यह शांति स्थापित करेगा।

उदाहरण हेतु – ईरान - USA डील हेतु इसी प्रकार के समझौते की जरूरत है।

④

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

(b) "मैं लोकतंत्र को ऐसी वस्तु के रूप में समझता हूँ, जो कमज़ोर को भी मज़बूत के समान ही मौका देती है।" - महात्मा गाँधी (150 शब्द) 10

"I understand democracy as something that gives the weak the same chance as the strong." – Mahatma Gandhi (150 words) 10

लोकतंत्र अर्थात् लोगों द्वारा लोगों के लिए लोगों के ऊपर शासन

लोकतंत्र से निर्मित शासन प्रणाली में लगभग सभी की सहमति शामिल होती है और शासन प्रणाली की वैधता लोगों की इच्छा पर ही निर्भर करती है। फलतः स्पष्ट है कि एक कमजोर व्यक्ति भी लोकतंत्र में बराबर की भूमिका निभाता है। और वह एक दबाव समूह के रूप में सरकार की नीतियों को प्रभावित कर खुद को मजबूत बनाता है। - यही लोकतंत्र की खूबी है।

उम्मीदवार हाशिये में चाहिये।
(Candidat
write on t

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उदाहरण

① वंचित वर्ग समर्थित पार्टियों द्वारा सरकार का गठन करना
└ उदाहरण हेतु उत्तरप्रदेश

② मुस्लिम वर्ग एक दबाव समूह का निर्माण कर खुद को मजबूत बना पाता है

~~कुछ~~ हालांकि इस कथन से पूर्णतः संतुष्ट होना संभव नहीं।

① लोकतंत्र में संख्या बल महत्वपूर्ण / अतः जो संख्या बल में सीमित होगा उसके कमजोर बने रहने की संभावना अत्यधिक रहती है।

इसी के सुधार के फलस्वरूप लोकतंत्र में 'फर्स्ट पास्ट द पोस्ट सिस्टम' के साथ आनुपातिक प्रतिनिधित्व - सिस्टम सिस्टम कमजोर वर्ग को मजबूत होने का अधिक मौका देगा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

(c) "बिना हृदय को शिक्षित किये मस्तिष्क को शिक्षित करना, कोई शिक्षा नहीं है।" -अरस्तू (150 शब्द) 10

"Educating the mind without educating the heart is no education at all". -Aristotle (150 words) 10

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शिक्षा हेतु जरूरी है मस्तिष्क के साथ मन भी नैतिक हो।
गांधी जी के सात पाप सिद्धांत में 'चरित्र के बिना ज्ञान' इसी बात को संदर्भित करता है।

उदाहरण हेतु ज्ञान का प्रयोग

① अगर चरित्र रहित हो परमाणु बम जैसी विनाशक चीजों का निर्माण होता है। और अगर चरित्र के साथ हो तो परमाणु ऊर्जा जैसी चीजों का निर्माण होता है।

② डाक्टरों द्वारा ज्ञान का प्रयोग मरीजों के अनावश्यक आपरेशन कर अंग निकालना, चरित्र बिना ज्ञान को ही संदर्भित करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उदाहरण हेतु हाल में महाराष्ट्र में गन्ना कटाई हेतु कार्य करने वाली सैकड़ों महिलाओं के गर्भाशय निकालने की घटना हुई।

(3) आतंकवाद के माध्यम से जन हानि पहुंचाना (लादेन)

तथा उसी ज्ञान का प्रयोग कर मानवता की समृद्ध बनाना (कैलाश सत्यार्थी)

अतः स्पष्ट है कि शिक्षा हेतु अधिक जरूरत नैतिक शिक्षा या चरित्र शिक्षा की है नाकि सिर्फ शिक्षा की।
→ भाईचारा बढ़ाने
→ मानवतावाद बढ़ाने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - ख/ SECTION - B

8. आदिवासी, समाज की मुख्य धारा से अलग रहने वाले लोग हैं, जो अपनी विशिष्ट संस्कृति एवं रहन-सहन के लिये जाने जाते हैं। ये हमेशा से आकर्षण के केंद्र रहे हैं। न केवल देशी बल्कि विदेशी पर्यटक भी इनकी संस्कृति को जानने के लिये उत्सुक रहते हैं। सरकार द्वारा कानून बनाकर इनकी स्वायत्तता को सुनिश्चित किया गया है। इस कानून के अनुसार, कोई भी व्यक्ति आदिवासियों के वासस्थल पर नहीं जा सकता है, किंतु स्थानीय मछुआरों द्वारा अवैध तरीके से विदेशियों से अधिक पैसा लेकर उन्हें आदिवासियों के क्षेत्रों में पहुँचाया जाता है। कुछ धर्म प्रचारक भी वहाँ अपने धर्म का प्रचार करने का प्रयास कर रहे हैं। यह मामला प्रकाश में तब आया, जब एक विदेशी व्यक्ति की आदिवासियों द्वारा हत्या कर दी गई, जिसने अवैध तरीके से आदिवासियों के इलाके में प्रवेश किया था।

इस संदर्भ में सरकार द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक टीम गठित की गई है। आदिवासी मामलों के जानकार होने के नाते आपको उस टीम का नेतृत्व दिया गया है, जिसे कानून के उल्लंघन की जाँच एवं इन अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के प्रति अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी है। इस समस्या के संदर्भ में उठाए गए तात्कालिक और दीर्घकालिक कदमों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 20

Tribals are people living separately from mainstream society, who are known for their distinct culture and lifestyle. They are always the centre of attraction. Not only native but also foreign tourists are eager to know about their culture. Their autonomy has been ensured by the Government by enacting a law. According to this law, nobody can go to the homestead of the tribals. But foreign tourists are illegally charged exorbitantly and are taken to tribal areas by the local fishermen. Also, some religious preachers are trying to propagate their religion. The matter came to light when a foreigner, who had illegally entered the tribal area, was murdered by tribals.

A team has been formed through quick action of the government in this connection. As an expert in tribal affairs, you have been given the leadership of the team, which has to investigate violations of law and recommend disciplinary action against those indulging in these illegal activities. Suggest the immediate and long-term steps that can be taken with respect to this problem.
(250 words) 20

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidat
write on t

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उपरोक्त केस स्टडी में वर्णित स्थिति हाल ही में अंडमान निकोबार द्वीप समूह में घटित हुई। जब सेन्टिनलीज जनजाति द्वारा एक विदेशी युवक की हत्या कर दी गई।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हितधारक

1. हत्या का शिकार व्यक्ति एवं उसका परिवार
2. आदिवासी समूह
3. प्रशासनिक तंत्र
4. अवैध प्रवेश करने व कराने वाले लोग

नैतिक मुद्दे

1. आदिवासियों का आधुनिक जीवन से इतर पाषाणकालीन पिछड़ापन
2. कानून का उल्लंघन
3. मानवाधिकार ~~का~~ बनाम आदिवासी अधिकार

हत्या जिस व्यक्ति की हुई - उसकी सजा किसे दें?

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार हाशिये ... चाहिए (Candidates ... write ...)

तात्कालिक कदम

① यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि उक्त विदेशी व्यक्ति वहाँ पहुंचा कैसे

② कानून के उल्लंघन के दोषी व्यक्तियों के प्रति कानूनी कार्यवाही

④ सभी मछुआरों की नौकाओं और जहाजों को GPS इनेबल्ड करना। तथा यह ध्यान रखना कोई नौका गलती वश भी उस क्षेत्र में ना जाए

⑥ जहाँ-जहाँ आदिवासी क्षेत्रों में पर्यटन की अनुमति है। वहाँ भी ध्यान रखना कि, कहीं पर्यटन आदिवासी समूह को हिंसक तो नहीं बना रहा।

⑤ हिंसक आदिवासियों (जोकि अभी भी हिंसक है) के क्षेत्रों को चिन्हित कर सभी मछुआरों तथा पर्यटकों को जानकारी पहुंचाना

⑥ कानून की जानकारी पर्यटकों को उपलब्ध करना

⑦ धर्म प्रचार इत्यादि को पूर्णत: रोकना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

दीर्घकालिक उपाय

① आदिवासियों के स्तर पर

(1) आदिवासियों में व्याप्त पाषाणकालीन पिछड़ापन को दूर करने हेतु चरणबद्ध तरीके से प्रयास करना

उदाहरण हेतु → आदिवासियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उनकी पोषण संबंधी आवश्यकताओं हेतु उनके आवासों तक हेलीकाप्टर इत्यादि से फूड पैकेट छोड़े जा सकते हैं

② - विलुप्त होने से बचाने जरूरी।

③ - आपदाओं के ~~समय~~ प्रति ~~ही~~ द्वीपों पर रहने वाली आदिवासी अत्यधिक सुभेद्य अतः आपदा के समय विशेष ध्यान रखना।

④ मानवाधिकार और आदिवासी अधिकार को पूरक बनाना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. लोकसेवकों का यह कर्त्तव्य है कि लोगों की सेवा ईमानदारी, सत्यनिष्ठा एवं ज़िम्मेदारी के साथ करें। लोकसेवकों में इन्हीं मूल्यों को अंतर्निविष्ट करने के लिये सिविल सेवा परीक्षा के पाठ्यक्रम में भी नीतिशास्त्र विषय को शामिल किया गया है। इसके साथ ही प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त गतिविधियों के माध्यम से सिविल सेवकों को इसके लिये तैयार किया जाता है। इसके बावजूद सेवा में शामिल होने के पश्चात् कई लोकसेवकों को नैतिक पथ से विचलित होकर अवैध एवं भ्रष्ट व्यवहार में संलिप्त होते हुए देखा गया है। लोकसेवकों में बढ़ती हुई इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये कार्मिक मंत्रालय द्वारा एक बोर्ड का गठन किया गया है तथा एक वरिष्ठ लोकसेवक होने के नाते आपको उसका चेयरमैन बनाया गया है। इसी दौरान जाँच एजेंसियों द्वारा एक लोकसेवक के अवैध भू-आवंटन से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में संलिप्त होने की पुष्टि की गई। लोकसेवा की आड़ में करोड़ों की व्यक्तिगत संपत्ति का संग्रह करना लोकसेवकों के नैतिक पतन का परिचायक है।

लोकसेवकों में उभरती हुई इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रयास किये गए हैं? इस समस्या के संदर्भ में आप क्या उपाय सुझाएंगे? (250 शब्द) 20

It is the duty of the public servants to serve the people with honesty, integrity and responsibility. Ethics has also been incorporated in the syllabus of civil services examination to inculcate these values in public servants. Also, civil servants are prepared for the same through additional activities during training. Despite this, many public servants after joining the service have been found deviating from the moral path and indulging in illicit and corrupt practices. A board has been constituted by the Ministry of personnel to check this growing trend in public servants. As a senior public servant, you have been made its Chairman. Meanwhile, a public servant was confirmed to be involved in the corruption related to illegal land allotment by the investigating agencies. The embezzlement of millions in personal property under the guise of public service is a reflection of the moral decay of public servants.

What efforts have been made by the Government to check this rising trend in public servants? What measures will you suggest in the context of this problem? (250 words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लोकसेवकों के नैतिक पथ से विचलित होकर अवैध एवं भ्रष्ट व्यवहार में शामिल होने के उदाहरण अक्सर नजर आते हैं। हाल ही में सरकार द्वारा ऐसे संदिग्ध पृष्ठभूमि के लोगों पर नजर रख रही है साथ ही कुछ लोक सेवकों को अनिवार्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

सेवानिवृत्ति प्रदान की गयी है

⇒ लोकसेवकों में भ्रष्ट प्रवृत्ति रोकने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदम

(1) भ्रष्टाचार से निपटने हेतु 'भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988' बनाया गया। हाल ही में इसमें कई संशोधन किए गए जिसमें रिश्वत देना भी अपराध की श्रेणी में डाल दिया गया

(2) लोकपाल अधिनियम - 2013 का निर्माण सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के मामलों की पारदर्शी जाँच हेतु किया गया

(3) सतर्कता रखने हेतु CVC एवं CBI जैसी एजेंसियाँ

(4) अवैध संपत्ति को रोकने हेतु "बेनामी संपत्ति अधिनियम - 2016 का निर्माण करना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- पारदर्शिता को मजबूत करने हेतु सरकार 'सूचना के अधिकार' RTI 'सिटिजन चार्टर', 'सोशल ऑडिटिंग', CAG को मजबूती, ई-शासन का प्रयोग किया जा रहा है

- IPC की धारा 161 से 165 तक भ्रष्टाचार से निपटने हेतु प्रावधान करती है

- सरकार द्वारा कोड ऑफ कन्डक्ट और कोड आफ एथिक्स का निर्माण

- geo tagging जैसी व्यवस्था को मनरेगा में अपनाया जा रहा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार हाशिये में ... चाहिये। (Candida... write on ...

मेरे द्वारा सुझाए गए सुझाव

(1) भ्रष्टाचार से संबंधित किसी मामले की तीव्र सुनवाई हेतु फास्ट ट्रैक कोर्ट का निर्माण करना / और तीव्र निर्णयन के माध्यम से एक प्रतिरोध पैदा करना

(2) आचार संहिता के उल्लंघन की स्थिति में स्पष्टतः कार्यवाही होनी चाहिए

(3) नैतिक संहिता का निर्माण किया जाए एवं इसे प्रवर्तनीय बनाया जाए

(4) लोक सेवकों के साथ सत्यनिष्ठा पैक्ट जैसे समझौते कर उन्हें सत्यनिष्ठ बनने हेतु बाध्य किया जाए

(5) सिविल सेवा बोर्ड का गठन हो तथा सिविल सेवकों के ट्रांसफर, प्रमोशन इत्यादि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

से संबंधित मुद्दे उसके द्वारा हल हो। ताकि ब्लेप्टोक्रेसी जैसी समस्या का समाधान हो।

(6) संदिग्ध सत्यनिष्ठा वाले व्यक्तियों पर निगरानी हेतु तंत्र बनाने का मैं सुझाव दूंगा

(7) बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहन तथा अच्छा प्रदर्शन न करने वालों को दंड ताकि सिविल सेवकों में प्रतिस्पर्धा बढ़े और ईमानदारी पूर्वक कार्य करने हेतु प्रेरित हों
↳ इसके लिए एक तंत्र का निर्माण

(8) अनुच्छेद A 311, तथा अन्य गोपनीय कानून की समीक्षा का सुझाव दूंगा।

निष्कर्ष: मेरे सुझावों से उम्मीद है सिविल सेवक ईमानदार सत्यनिष्ठ, जिम्मेदार बन सकेंगे।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

10. आप एक ईमानदार एवं कर्त्तव्यनिष्ठ लोकसेवक हैं। ज़िलाधिकारी के तौर पर आपकी नियुक्ति एक ऐसे क्षेत्र में हुई है जो धार्मिक मामले में अत्यंत संवेदनशील है। उस ज़िले में एक अत्यंत प्राचीन धार्मिक स्थल अवस्थित है, जहाँ एक धार्मिक मान्यता के कारण कम आयु वर्ग की महिलाएँ आज तक प्रवेश नहीं पा सकी हैं। यह निःसंदेह एक नागरिक के तौर पर महिलाओं को संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। महिलाओं के हित में कार्य करने वाली एक संस्था ने देश के सर्वोच्च न्यायालय में उक्त भेदभाव को समाप्त करने से संबंधित याचिका दायर की, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने महिलाओं के पक्ष में निर्णय देते हुए धर्मस्थल पर उनके प्रवेश निषेध को समाप्त करने हेतु सरकार को आदेश दिया है। ज़िला स्तर पर इसका अनुपालन कराने की ज़िम्मेदारी आपको दी गई है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का कुछ धार्मिक समूहों– श्राइन बोर्ड (Shrine Board) के साथ-साथ आम लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है, जिन्हें कुछ राजनीतिक दलों का सहयोग भी प्राप्त है। उनका तर्क है कि संविधान द्वारा धार्मिक मामलों में उन्हें स्वतंत्रता प्रदान की गई है। ऐसे में कुछ महिलाएँ जो धर्मस्थल में प्रवेश का प्रयास कर रही थीं, उनको अन्य भक्तों द्वारा रोक दिया गया एवं उनके साथ बदसलूकी भी की गई और यह घोषित कर दिया गया कि जो भी महिला ऐसा करने का प्रयास करेगी, उसका खामियाज़ा उसे भुगतना होगा। ऐसे में उन महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठता है।

(a) इस प्रकरण में अंतर्निहित नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिये।

(b) इस स्थिति में आपके समक्ष उपस्थित विकल्पों को बताते हुए उनके गुण-दोषों की चर्चा कीजिये और बताएँ कि आप किस विकल्प का चयन करेंगे? (250 शब्द) 20

You are an honest and conscientious public servant. Your appointment as a district officer has been in a region that is highly sensitive to religious matters. A very ancient religious place is located in the district where women in the lower age group have not been able to enter till today due to religious beliefs. It is, of course, a violation of the fundamental rights provided by the Constitution to women as citizens. An institution working for women's welfare filed a petition in the Supreme Court of the country to end the discrimination on which the Court, by giving a judgment in favour of women, has ordered the government to end the prohibition of admission to the shrine. You have been given the responsibility of complying with the order at the district level. The Supreme Court judgement is being opposed by some religious groups, shrine board as well as by the common people who are also being encouraged by some political parties. Their argument is that they have got freedom by the Constitution in religious matters. Some women who were trying to enter the shrine were stopped and mistreated by other devotees and it was declared that women who tried to do so will have to suffer the consequences. In this situation, the issue of safety of such women has arisen.

(a) Explain the underlying ethical issues in this episode.

(b) In this case, discuss the options available to you mentioning the merits and demerits of each option. What option will you choose and why? (250 words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपरोक्त स्थिति का सामना हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सबरीमाला मंदिर के महिलाओं के प्रवेश देने के समय भी उपस्थिति हुआ।

हितधारक
- ① धार्मिक समूह
- ② महिलाएँ
- ③ प्रशासन
- ④ मैं - लोक सेवक

नैतिक मुद्दे

① **महिलाओं के मौलिक अधिकार का उल्लंघन**
↳ धार्मिक स्वतंत्रता की आड़ में महिलाओं के साथ असमानता का भेदभाव

② **रुढ़िवादिता बनाम आधुनिकता**
↳ सुप्रीमकोर्ट द्वारा महिलाओं के प्रवेश की अनुमति देने के बावजूद धार्मिक समूह द्वारा विरोध रूढ़िवादिता को दिखाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवा... हाशिये में ... चाहिये। (Candida... write on...

(3) महिलाओं की सुरक्षा

↳ धार्मिक नैतिकताओं की रक्षा करने वालों द्वारा ही महिलाओं को धमकी देना – कहाँ तक नैतिक

(b) — विकल्प No-1

विकल्प

~~क~~ यथास्थिति बनाए रखने का प्रयास करना तथा किसी अनहोनी की आशंका के चलते महिलाओं को ~~[illegible]~~ मंदिर में प्रवेश न करने की अपील करना

गुण

(1) संभवत मामला शांत होगा और धार्मिक तनाव कम होने पर महिलाओं के प्रवेश की संभावना बढ़ेगी (भविष्य में)

(2) महिलाओं की सुरक्षा का प्रश्न भी हल हो सकेगा

दोष

(1) ~~[illegible]~~ नैतिक कर्त्तव्य विमुखता को दर्शाता है सुप्रीमकोर्ट के निर्णय का पालन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

करवाना कैसा दायित्व है

(2) पलायनवादी सोच → भविष्य में मंदिर प्रवेश की सोच प्रगतिवादी नहीं।

विकल्प No. 2

महिलाओं के प्रवेश हेतु ~~प्रयास~~ सुप्रीमकोर्ट के निर्णय का अनुपालन करना चाहे इसके लिए बल प्रयोग क्यों न करना पड़े

पक्ष

- सुप्रीमकोर्ट का निर्णय और संविधान के मौलिक अधिकार की प्राप्ति होगी
- कर्तव्य परायणता को दिखाएगा

विपक्ष

- भावनात्मक बुद्धिमत्ता के अभाव को दर्शाता है
- संभवत धार्मिक तनाव बढ़ने से कानून व्यवस्था को चुनौती मिलेगा तथा महिलाओं की सुरक्षा ~~को~~ ~~उत्पन्न~~ चुनौती उत्पन्न होगी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विकल्प No-3

बातचीत के माध्यम से या (पहले मंदिर प्रशासन जो कुछ समय पूर्व ही महिलाओं के प्रवेश की अनुमति हेतु राजी हुए थे) के माध्यम से मंदिर प्रशासन के तनाव शैथिल्य कम करना और ~~तब मंदिर में प्र~~ और बातचीत के माध्यम से समाधान निकलता है तो उसका इंतजार करना अन्यथा मैं सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुपालन के लिए महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करते हुए प्रवेश को सुनिश्चित करूँगा

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candida
write on

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. खेल मानव जीवन में सिर्फ मनोरंजन के साधन न होकर आत्म-नियंत्रण, सद्गुण, सहिष्णुता, सत्यनिष्ठा तथा सामाजिक शिष्टता के प्रभावी स्रोत भी होते हैं, किंतु खेल 'निष्पक्ष व्यवहार' तथा 'समान अवसर' प्रदान करने वाली भावना को तभी आगे बढ़ा सकते हैं जब खेलों में खेल नैतिकता से जुड़े मूल्यों को संवर्द्धित किया जाए तथा खेल से जुड़े लोगों द्वारा इन मूल्यों को आत्मसात् किया जाए। हाल में मीडिया में कुछ ऐसे प्रकरण सामने आए हैं, जिनमें खेल से जुड़े कुछ प्रमुख व्यक्तित्वों द्वारा विवादित टिप्पणी करना न केवल खेल भावना एवं खेल नैतिकता का अपमान है बल्कि सामाजिक दायित्वों की भी उपेक्षा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आप एक खेल विनियामक संस्था के प्रमुख हैं तथा आपको उपर्युक्त प्रकरण को ध्यान में रखते हुए खेल नैतिकता में आई इस तरह की गिरावट को दूर करने के लिये आवश्यक सुझाव देने के लिये कहा गया है। इन परिस्थितियों में आप क्या सुझाव देंगे? (250 शब्द) 20

Sports are also an effective source of self-control, virtue, tolerance, integrity and social decency and not just means of recreation in human life. But sports can promote the spirit of 'fair behaviour' and 'equal opportunities' only if games incorporate the moral values and people associated with sports inculcate these values. Recently, there has been some mention in the media where certain prominent sports personalities are giving controversial comments. It is not only insulting to the sporting spirit and sports ethics but also disregards social obligations.

You are the head of a sports regulatory body and you have been asked to give necessary suggestions to rectify decline in sports ethics keeping in view the above mentioned case. What would you suggest in these circumstances? (250 words) 20

अक्सर ऐसा होता है कि कोई खिलाड़ी अपने कम ज्ञान के चलते कोई नकारात्मक टिप्पणी कर बैठे। हाल ही में भारत में एक टी.वी. शो के दौरान दो खिलाड़ियों द्वारा इसी तरह की टिप्पणी की गयी। जिसमें व्यापक स्तर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया और खिलाड़ियों पर मार्केटिंग की मांग हुई।

हितधारक

① खिलाड़ी

② समाज

③ टीम एवं टीम प्रबंधन एवं खेल समाज

उपरोक्त परिस्थिति में खेल नैतिकता को बनाए रखने हेतु मेरे निम्न सुझाव होंगे।

1. चूँकि खिलाड़ी एक प्रकार से कई युवाओं के रोल मॉडल होते हैं अतः यह संभव है इनके अनैतिक आचरण और गलत टिप्पणी से कई युवाओं पर गलत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रभाव पड़े।
अतः वर्तमान की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों हेतु एक नैतिक संहिता एवं आचरण संहिता के निर्माण का सुझाव मैं दूंगा।

2. खिलाड़ियों के स्तर पर भी कार्य करना - ध्यातव्य है कि यह आवश्यक नहीं खेल में अच्छा प्रदर्शन करने वाला व्यक्ति सामाजिक एवं नैतिक स्तर पर अच्छा मानक सेट करें। अतः इसके लिए खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण दिया जाए। यह जिम्मेदारी खेल संघ को दी जा सकती है।

③ - घरेलू क्रिकेट खेलने के स्तर से खिलाड़ियों के इस तरह के नैतिक व सामाजिक आचरण

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पर घरेलू स्नेह संबंधों से निपटने मांगना और चयन में उसे आधार बनाना

(4) इस तरह की किसी भी गलत टिप्पणी इत्यादि हेतु स्पष्ट सजा का प्रावधान ताकि यह एक निवारक के रूप में कार्य करे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों में अवैध प्रवासन एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। इस मुद्दे के समाधान के लिये वर्तमान सरकार असम जैसे राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को अद्यतन बनाने का प्रयास कर रही है। इस प्रयास से अवैध प्रवासियों की पहचान हो सकेगी तथा वैध नागरिकों के लिये संसाधनों को सुरक्षित किया जा सकेगा और आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को भी कम किया जा सकेगा, किंतु राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के क्रियान्वयन के साथ कई नैतिक एवं विधिक चिंताएँ भी उभरती हैं तथा यह रजिस्टर प्रवासन की समस्या के एक सीमित पक्ष को ही संबोधित करने में सक्षम है। आपको राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर से जुड़ी समस्याओं तथा अवैध प्रवासन की चुनौती से निपटने हेतु सलाह देने वाली समिति का अध्यक्ष बनाया गया है तथा आपसे यह अपेक्षा है कि आप अपने सुझावों में समस्या से जुड़े विषयों को समग्र रूप से संबोधित कीजिये।

उपर्युक्त परिस्थितियों में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के क्रियान्वयन से जुड़ी नैतिक चिंताओं को बताते हुए अपने द्वारा समस्या के समाधान हेतु प्रस्तुत किये जाने वाले नवीन उपायों की चर्चा कीजिये।

(250 शब्द) 20

Illegal migration has been a sensitive issue in the north-eastern states of India. To address this issue, the present Government is making efforts to update the National Register of Citizens in a state like Assam. This effort will enable identification of illegal migrants and secure resources for legitimate citizens and also address concerns related to internal security. But with the implementation of the National Register of Citizens, many ethical and legal concerns are emerging and this register is able to address only a limited aspect of the migration problem. You have been appointed as the Chairman of the Committee for dealing with problems related to the NRC and the challenge of illegal migration, and it is expected that in your suggestions, you should address issues related to the problem in totality.

In the above circumstances, mention the ethical concerns associated with the implementation of the National Register of Citizens and discuss the new measures that are proposed to be put in place by you to address the problem. (250 words) 20

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candida
write on

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

वर्तमान में NRC के क्रियान्वयन के कारण कई प्रकार की नैतिक चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है

(1) कई नागरिक जो कि अत्यंत गरीब हैं और अपने आवश्यक डाक्यूमेंट को पूरा करने हेतु पर्याप्त जागरूक नहीं थे। उन्हें ~~भार~~ असम का मूल निवासी होने के बावजूद अवैधी निवासी घोषित होना पड़ रहा।

(2) ऐसी महिलाओं जिनकी काफी कम उम्र में शादी हुई थी। वह नागरिकता दस्तावेजों के अभाव में सिद्ध करने में विफल रही

(3) आखिर गैर नागरिक सिद्ध करने के बाद समाधान क्या है
└ क्या हम इनको मूल देश भेजने की स्थिति में हैं

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

(4) कई वर्षों से भारत मे ही रहने वाले व्यक्ति जिसका सम्पूर्ण परिवार भारत में है उनके गैर नागरिकता की स्थिति

(5) मानवतावादी दृष्टिकोण
↳ गैर नागरिकों के मानवाधिकारों का हनन

(6) भारत की वसुधैव कुटुम्बकम की सोच के विरुद्ध
↳ भारत की सामाजिक संस्कृति अतिथि देवो भव: के विरुद्ध

नवीन उपाय

(1) सर्वप्रथम हमें यह प्रयास करना चाहिए कि भविष्य में अवैध प्रवास बिल्कुल ना हो। इसके लिए सीमा पर बाड़ तथा इलेक्ट्रानिक

उम्मीदवार हाशिये में ... चाहिये। (Candida... write on ...

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

~~प्रेक्टिस की जा सकती है~~

(2) ~~जोकि~~
ऐसे लोग जोकि निश्चित तौर पर अवैध प्रवासी है और किसी और देश की नागरिकता रखते है। उन्हें उस देश में भेजने का प्रयास करना (बेहतर होगा इसके लिए हमें उस देश के साथ कोई संधि इस प्रकार की कर लेनी चाहिए)

(3) संदिग्ध स्थिति वाले नागरिक जिनको नागरिकता के अभाव में दूसरे देश भेजना भी संभव नहीं उन्हें देश में ही रहने का प्रबंध किया जाए
↳ इस हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवीय सहायता की मांग की जाए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार हाशिये में ... चाहिये। (Candidat... write on t...

→ अंतरराष्ट्रीय स्तर के NGO की मदद ली जाए

→ स्वैच्छ

मेरी उपर्युक्त रणनीति भारत की अतिथि और वसुधैव कुटुम्बकम देवो भव! वाली तथ्य को प्रदर्शित होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. भारत में कभी 'रैट होल माइनिंग' तो कभी 'ओपन कास्ट माइनिंग' से जुड़ी बड़ी खनन आपदाएँ होती रही हैं। इन आपदाओं के पीछे भारत में होने वाला अवैज्ञानिक, अवैध तथा असुरक्षित खनन मुख्य कारण है। जब भी ऐसी आपदाएँ देश में चर्चा का केंद्र बनती हैं तो पदासीन सरकारें तथा प्रशासन तात्कालिक स्तर पर इसका समाधान भी कर देते हैं किंतु इस तरह की आपदाओं को रोकने हेतु सतत् समाधान के प्रति उदासीनता दिखाई पड़ती है, जिससे बार-बार ये आपदाएँ घटित होती हैं। ऐसी आपदाओं के बाद एक प्रशासकीय प्रवृत्ति यह भी देखी जाती है कि इसके लिये मुख्यतः सामान्य मानवीय मूल्यों को ही दोषी ठहराया जाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में असुरक्षित खनन गतिविधियों को सरकार व प्रशासन की मौन सहमति तथा खनिकों (Miners) का इस ओर आकर्षण मुख्यतः राजस्व एवं रोजगार की प्राप्ति से जुड़ा हुआ है, किंतु इस प्रकार की गतिविधियाँ जनधन की व्यापक हानि तथा पर्यावरणीय अवनति को भी उत्पन्न करती है। अतः ऐसी आपदाओं को घटित होने से रोकने तथा घटित होने के पश्चात् इनका सामना करने की समग्र तैयारी होनी चाहिये।

(a) उपरोक्त प्रकरण में अंतर्निहित नैतिक मुद्दों को उद्घाटित कीजिये।

(b) एक सक्षम अधिकारी के रूप में आप कुछ ऐसी व्यावहारिक रणनीतियों की चर्चा कीजिये, जिससे ऐसी आपदाओं को रोका जा सके एवं इनका सामना किया जा सके। (250 शब्द) 20

From 'rat hole mining' to 'open cast mining', India has witnessed major mining disasters. The main reason behind these calamities is the unscientific, illegal and unsafe mining in India. As and when such disasters are in the news, the incumbent governments and administration address it at the immediate level. But there is indifference to providing sustainable solutions which frequently causes such disasters. After such calamities, an administrative tendency has also been observed which puts the blame on victims.

The tacit consensus of the government and administration to unsafe mining activities in India and the attraction of miners are mainly linked to revenue and employment realization. But such activities also lead to widespread loss to public exchequer and environmental degradation. Therefore, there should be a holistic preparedness to prevent such calamities and to comprehensively cope if they occur.

(a) Identify the underlying ethical issues in the above case.

(b) As a competent authority, discuss some of the feasible strategies to prevent and combat such calamities. (250 words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

हाल ही में मेघालय में रैट होल माइनिंग के चलते कई लोग खान में पानी भरने के कारण ~~फंसे~~ कई दिनों तक फंसे रहे जिसने व्यापक स्तर पर पुनः ध्यान खींचा।

हितधारक

1. गरीब व्यक्ति जो खान में घुसने हेतु सहमति देता है
2. खान मालिक
3. सरकार < राज्य सरकार / केंद्र सरकार

नैतिक मुद्दे

1. मानवाधिकारों का उल्लंघन

(इन) खानों में काम करने वाले श्रमिकों को बेहद अमानवीय स्थितियों तथा बेहद कम दिहाड़ी पर कार्य करने हेतु मजबूर होना पड़ता है।

उम्मीदवार हाशिये में ... चाहिये।
(Candida... write on t...

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(2) पर्यावरणीय अवनति का कारण

ध्यातव्य है कि रैट होल माइनिंग या ओपन कास्ट माइनिंग पर्यावरण को वृहद स्तर पर प्रभावित करती है।

(3) श्रमिकों की सुरक्षा का अभाव

└ माइन की खुली स्थिति दुर्घटनाओं हेतु सुभेद्य होती है। ~~घातक~~

(4) सरकार की मौन स्थिति

└ सरकार वोट बैंक की राजनीति के चलते इसके दीर्घकालिक सुधार से बचती है

└ वस्तुतः इस तरह की माइनिंग पर बैन लगाने की स्थिति में बड़ी मात्रा में बेरोजगारी का समाधान भी सरकार के पास नहीं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार हाशिये ... चाहिये। (Candi... write o...

(B) रणनीतियाँ

① इस तरह की माइनिंग काफी असुरक्षित होती है। फलतः इन्हें सुरक्षित बनाने का अगर विकल्प उपस्थित हो तो उन्हें अपनाकर इन्हें अनुमति दी जाए

② दूसरी स्थिति जहाँ आपदा की संभावना हो या पर्यावरण अवनति का खतरा हो वहाँ इस तकनीक से खनन को प्रतिबंधित करना चाहिए

③ तकनीकि उन्नयन का प्रयास संभव हो तो किया जाना चाहिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(4) प्रतिबंध की स्थिति में बेरोजगार हुए व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करने के अवसर मिलने चाहिए

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation